फुलवाड़ी

भाग-1

प्रथम वर्गक हेतु मैथिलीक पाठ्य-पुस्तक

एस० सी० ई० आर० टी०, बिहार, पटना द्वारा विकसित
बिहार स्टेट टेक्स्ट बुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना द्वारा प्रकाशित।

दिशा-बोध-सह-पाठ्यपुस्तक विकास समन्वय समिति

- **श्री राजेश भूषण,** राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **हसन वारिस,** निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी., पटना
- **श्री मुखदेव सिंह,** क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक, तिरहुत प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर
- **श्री रामेश्वर पाण्डेय,** कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **श्री बसंत कुमार,** शैक्षिक निबंधक, बी. एस. टी. पी. सी., पटना
- **डॉ. सैयद अब्दुल मोइन,** विभागाध्यक्ष, एस. सी. ई. आर. टी., पटना
- **डॉ. श्वेता सांडिल्य,** शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ, पटना
- **डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी,** प्राचार्य, टी. आई. एच. एस., पटना

लेखक सदस्य

- **डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन'**
  पूर्व प्रधानाचार्य, प्रोफेसर कॉलोनी, महनार, वैशाली
- **डॉ. दमन कुमार झा,** अध्यक्ष, मैथिली विभाग
  जे० एन० कॉलेज, मधुबनी
- **डॉ. प्रेमलता मिश्र 'प्रेम',**
  पूर्व व्याख्याता मैथिली, राजकीय बालिका उ० मा० वि०, **बाँकीपुर पटना-1**

समीक्षक

- **डॉ. इन्द्रकान्त झा,** पूर्व यूनिवर्सिटी प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
  मैथिली विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना-5
- **डॉ. इन्दिरा झा,** अध्यक्ष, मैथिली विभाग,
  रामकृष्ण द्वारिका महाविद्यालय, लोहियानगर, पंटना-20

समन्वयक

- **डॉ. अर्चना,** व्याख्याता, एस० सी० ई० आर० टी०, पटना

अभार : यूनिसेफ बिहार

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्याक रूपरेखाक अनुसार नेना सभकेँ विद्यालय जीवनक संग बाहरक जीवनधारासँ जोड़ब आवश्यक अछि। एहि दृष्टिसँ पाठक निर्धारण कयल गेल अछि। नेना लोकनिक जीवन पर गाम-घर ओ विद्यालयक परिवेशक बीच बनल अथवा बनैत दूरीकेँ कम कयल जा सकैछ। घर-परिवार सेहो हुनका लोकनिक हेतु एक तरहक अनौपचारिक विद्यालयक काज करैत अछि। परिवार आ समाजक बीच हुनक दिनचर्या चलैत रहैत अछि। ओ अपन दादा-दादी आ माता-पिता सँ बहुत किछु सीखैत छथि। एहि सीखबकेँ विद्यालयमे औपचारिक शिक्षाक रूप देल जाइत अछि।

वर्णमालाक संगे-संग ओहिसँ बनल आ जुड़ल शब्द सभक ज्ञान भेला सँ नेना लोकनिक अभिव्यक्ति क्षमता बढ़ैत अछि। बाल मनोविज्ञानक अनुसार नेना लोकनि मे वस्तु ज्ञान एवं आचार ज्ञानक माध्यमसँ हुनक स्वास्थ्य आ पर्यावरणक चेतनाकेँ जगाओल जा सकैत अछि।

कविता सभ लयात्मक होइत अछि। एहिसँ जीवनकेँ सेहो लयात्मक बनाओल जा सकैत अछि। कथा सभ उपदेशात्मक होइत अछि। प्रत्येक कथा मे एकटा सन्देश होइत अछि जाहिसँ नेना लोकनिक जीवनधाराकेँ सही दिशा देल जा सकैत अछि। अभ्यासक द्वारा नेना लोकनिक सक्रिय सहभागिता प्राप्त कयल जा सकैत अछि। चित्रात्मकतासँ नेना लोकनिमे पढ़बा, लिखबा ओ सिखबाक अभिरुचि बढ़ैत अछि। एवंप्रकारेँ नेना लोकनिकेँ देल जायवाला प्राथमिक शिक्षाकेँ विशेष रुचिगर ओ आकर्षक बनाओल जा सकैछ। शिक्षामे नेना लोकनिक सक्रिय सहभागिता आवश्यक अछि। खेल-खेलक माध्यमे आ नाच-गानक माध्यमे नेना सभक लेल शिक्षा सहज रूपेँ ग्राह्य भय जाइत अछि। लयात्मक भेने ओ जिह्वा पर चढ़ि सहजेँ स्मरणीय भय जाइत अछि।

निदेशक

विषयानुक्रम

क्र० सं०	शीर्षक		पृष्ठ सं०
1.	आँजी वर्णमाला (देवनागरी)	...	1–11
2.	शब्द–रचना	...	12–16
3.	छाता (पद्य)	...	17–18
4.	चित्र परिचय	...	19–20
5.	मिथिलाक चिड़ै	...	21
6.	गिनती सीखू	...	22–25
7.	विद्यालय परिसर	...	26–29
8.	घर–आँगन	...	30–33
9.	लताम (चित्रकथा)	...	34–36
10.	मनुक्खक अंग	...	37
11.	पंचतंत्रक कथा	...	38–39
12.	चित्र–परिचय	...	40
13.	दशमी मेला	...	41–43
14.	लकड़िहारा (कथा)	...	44–46
15.	फूलक झगड़ा	...	47–48

पाठ–1

आँजी

आँजी एकटा प्रतीक चिह्न अछि।
अक्षर आरंभसँ पहिने गौरीशंकरक
अभ्यर्थना कयल जाइछ – 'सिद्धिरस्तु'।

मैथिलीक अपन वर्णमाला अछि, जकरा मिथिलाक्षर कहल जाइत अछि। आइ काल्हि मैथिली देवनागरी लिपिमे लिखल जाइत अछि।

वर्णमाला (देवनागरी)

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ				

□□

सिद्धिरस्तु

अ		अनार
आ	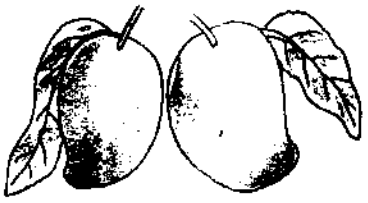	आम
इ	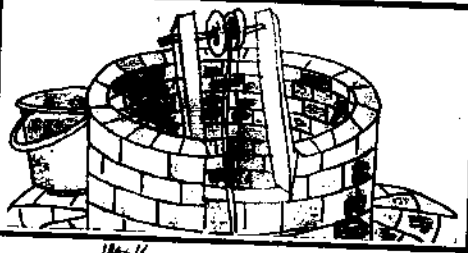	इनार
ई	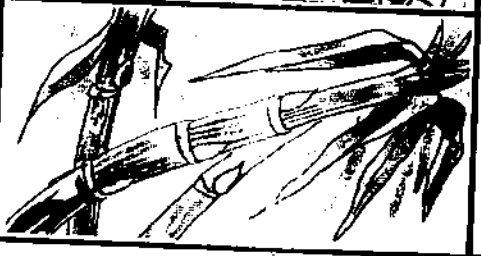	ईख
उ		उल्लू
औ		औषध
अं	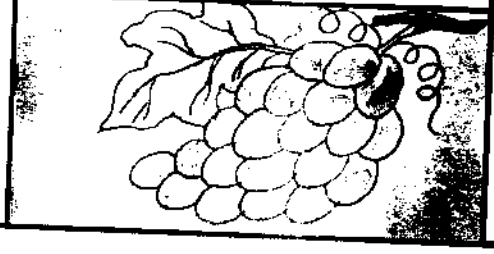	अंगूर

अः	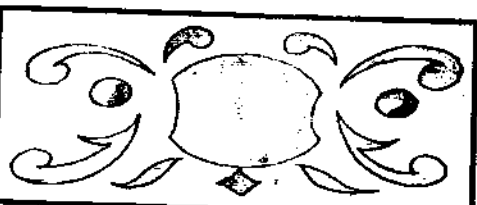	
क	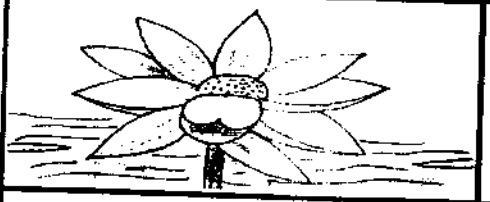	कमल
ख	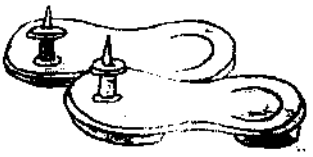	खड़ाम
ग	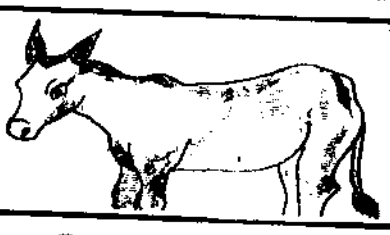	गदहा
घ	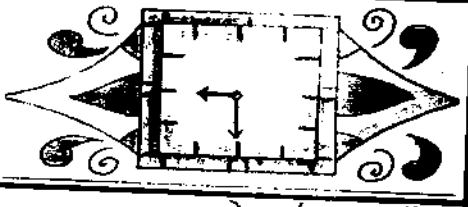	घड़ी
ङ		
च		चम्मच
छ	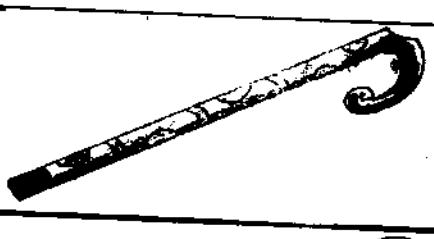	छड़ी
ज	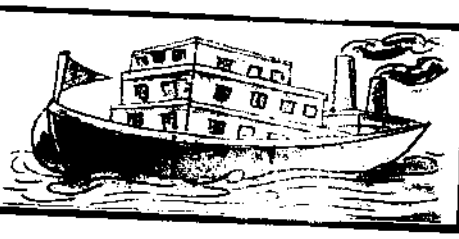	जहाज

झ		झगड़ा
ञ	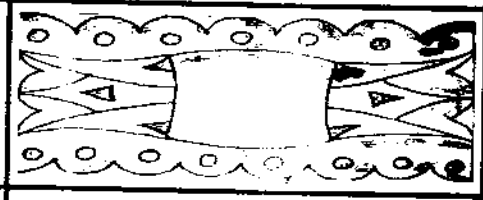	
ट	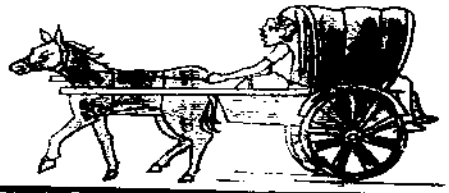	टमटम
ठ		ठनका
ड	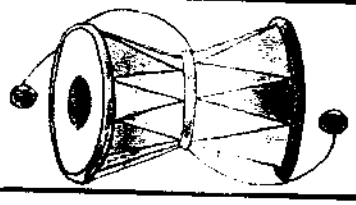	डमरू
ढ	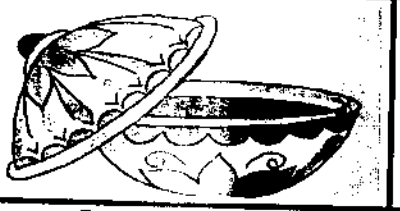	ढकना
ण	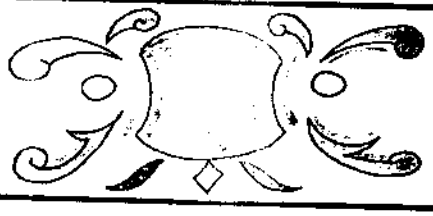	
त	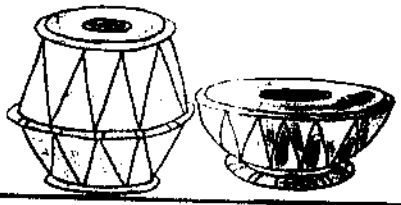	तबला
थ	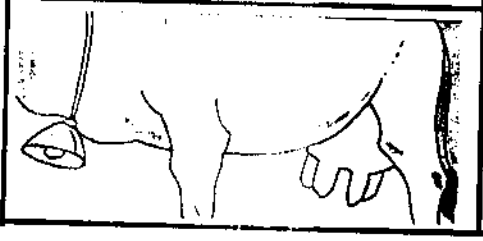	थन

द		दरजी
ध	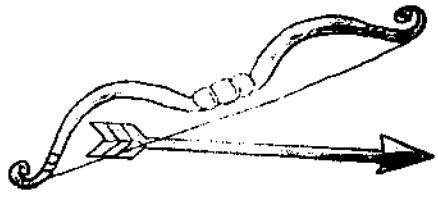	धनुष
न	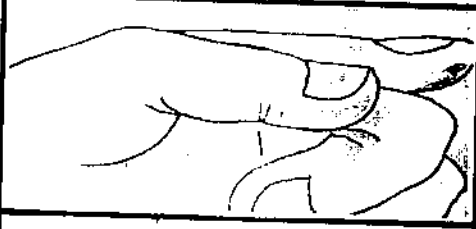	नह
प	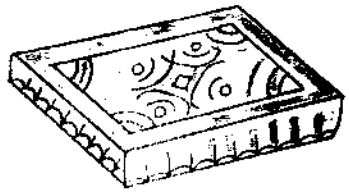	पनबट्टी
फ	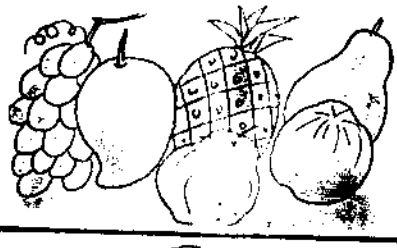	फल
ब	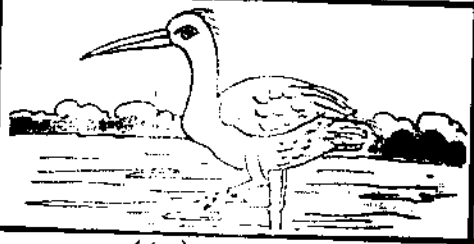	बगुला
भ		भनसिया
म		महिला

य	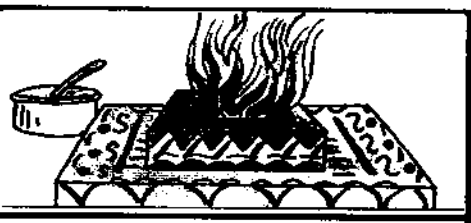	यज्ञ
र	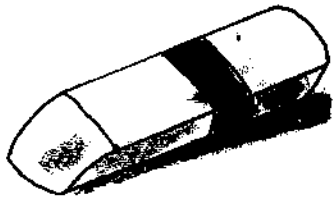	रबर
ल		लताम
व		वर्षा
श	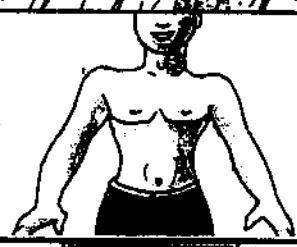	शरीर
ष	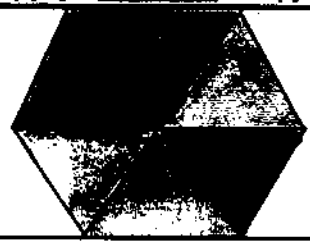	षटमुख
स		सरोता
ह		हरिण

अभ्यास

1. सही मात्राकेँ चिह्न आ पढ़ू

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ
	ा	ि	ी	ु	ू
क	का	कि	की	कु	कू
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
े	ै	ो	कौ	ं	ः
के	कै	को	कौ	कं	कः

2. नीचाँ लिखल अक्षरमे मात्रा लगाकय चौखानामे लिखू

क	का	कि	की	कु	कू
च					
ट					
त					
प					

पाठ–2

शब्द–रचना

वर्ण सभक संयोगसँ शब्द रचना

अ, म, र, तीनटा वर्ण अछि। एहि तीनू वर्णकेँ एक ठाम मिला देला पर शब्द बनत–अमर। एहिना वर्ण सभक संयोगसँ शब्द बनैत अछि। जेना–

अमर

अलका

अजय

अभय

अवध

अमली

आभा

आरा

आशा

आराधना

अभ्यास

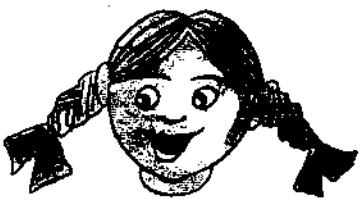

अं (अॅ) औंठाक कमाल
एक औंठासँ मुह बनाउ
दू औंठासॅ बानर।
मकड़ा माछ बिलाइ बनाउ
आब बजाउ मानर॥

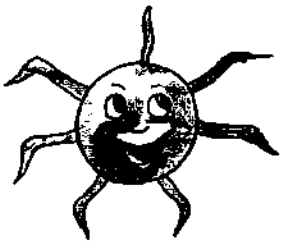

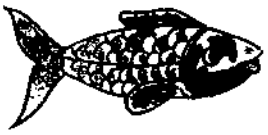

इकाई जाँच

1. निचलका किछु वर्ण केँ उलटि पुलटिकय सही शब्द बनाउ

ली म इ .... र च को ....

ष नु ध .... म ड रू ....

रि ण ह .... ल म क ....

म र ग .... क ड़ स ....

अभ्यास

वर्णमाला (स्वर)–बाजिकय पढ़ू

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ

ए, ऐ, ओ, औ, अं, (अः)

वर्णमाला (व्यंजन)–बाजिकय पढ़ू

क ख ग घ (ङ)

च	छ	ज	झ	(ञ)
ट	ठ	ड (ड़)	ढ (ढ़)	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	

इकाई जाँच

(क) 1. बिना मात्रावला दू अक्षरक शब्द बनाउ

_____ _____ _____ _____

2. दू अक्षरक शब्द बनाउ, जकर अंतमे 'क' हो

_____ _____ _____ _____

3. बिना मात्रावला तीन अक्षरक शब्द बनाउ

_____ _____ _____ _____

(ख) 1. आ क मात्रा (ा) क उपयोग करैत पाँचटा शब्द लिखू

काम _____ _____ _____ _____

2. इ क मात्रा (ि) क उपयोग करैत पाँचटा शब्द लिखू

डलिया _____ _____ _____ _____

3. ई क मात्रा (ी) वला पाँच टा शब्द लिखू

पपीहा _____ _____ _____ _____

4. उ क मात्रा (ु) वला पाँच टा शब्द लिखू

पुल _____ _____ _____ _____

5. ऊ क मात्रा (ू) वला पाँच टा शब्द लिखू

फूल _____ _____ _____ _____

6. ए क मात्रा (े) वला पाँच टा शब्द लिखू

_____ _____ _____ _____

7. ऐ क मात्रा (ै) वला पाँच टा शब्द लिखू

_____ _____ _____ _____

8. ओ क मात्रा (ो) वला पाँच टा शब्द लिखू

ओल _____ _____ _____ _____

9. औ क मात्रा (औ) वला पाँच टा शब्द लिखू

कौआ _____ _____ _____ _____

10. अं क मात्रा वला (ं) पाँच टा शब्द लिखू

अंगूर _____ _____ _____ _____

इकाई जाँच

नीचाँ बनल औंठाक छापमे चित्र बनाउ

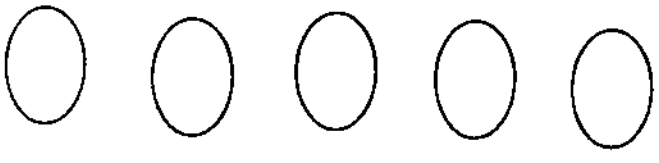

सुरूज मोटरी अनार चिड़ै घैल

1. नीचाँ बनाओल चित्रमे बनाओल वस्तुकेँ चीन्हू–
'आ' बाजिकय कहू ! जेना–अनार, आम, अंगा।

आम अंगा अनार ऐना

2. नीचाँ वला चित्रकेँ देखिकय वस्तुकेँ चीन्हू आ लिखू

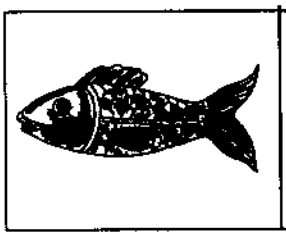

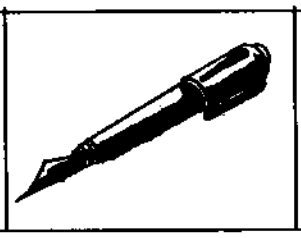

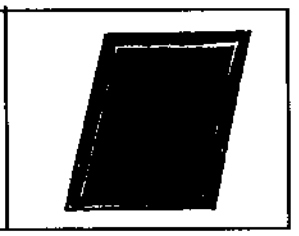

माछ	पोथी	कलम	पाटी
....	....	....	....
गाछ	छाता	मोटरी	झूला
....	....	....	....

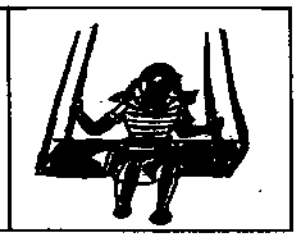

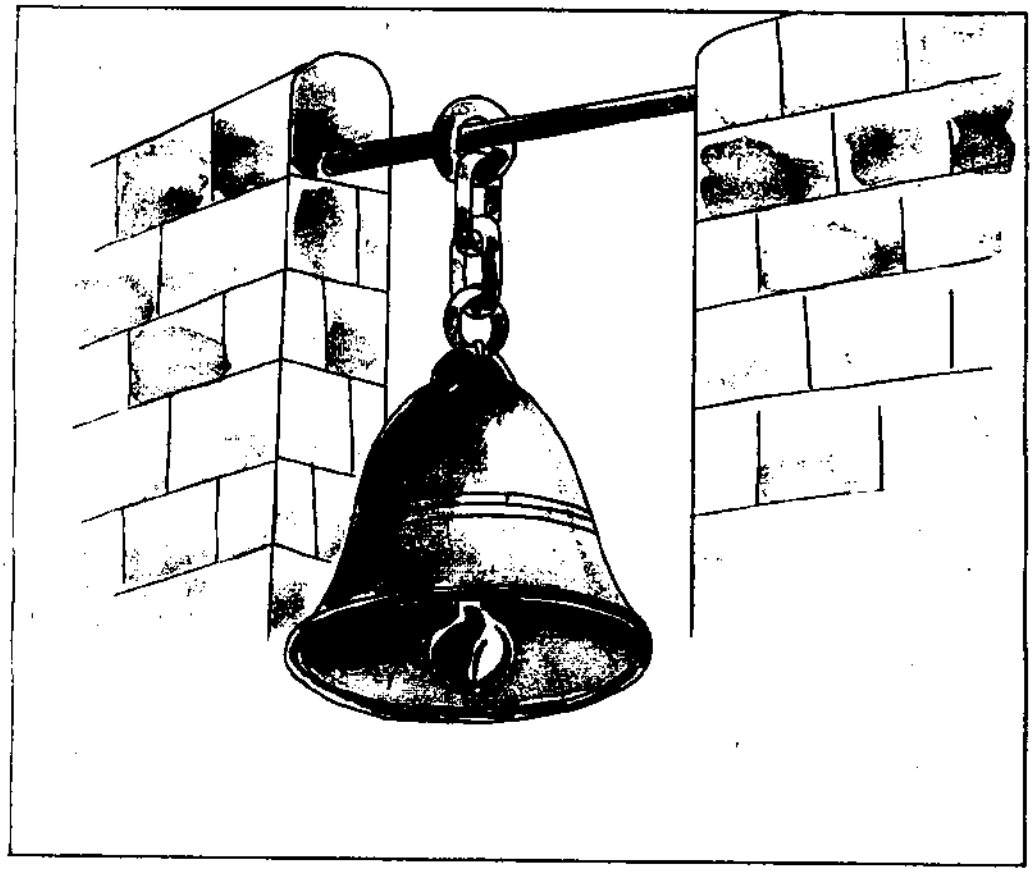

□□

पाठ–3

छाता

हमर छाता हमर छाता ।
कतेक नीक हमर छाता ।।
कतेक बढ़िया एकर तार ।
छाता हमर बड़ बुधिआर ।।
रौद बचाबय रोकय पानि ।
हम चलै छी छाता तानि ।।

अभ्यास

1. अध्यापकक नेतृत्वमे नेना लोकनि कविताकेँ सस्वर पाठ करथि। ओकरा दोहराबथि, तेहराबथि ।

(क) छाता अहाँ कतय देखने छी ?

1. घरमे 2. मेलामे 3. अध्यापकक हाथमे
4. दादाजीक हाथमे 5. बाबूजीक हाथमे

(ख) छाता कोन रंगक देखने छी ?

1. लाल छाता, 2. कारी छाता, 3. बहुरंग छाता
4. छोट छाता 5. बड़का छाता

(ग) अनेक प्रकारक छाताक चित्र बनाउ

कारी छाता	**लाल छाता**	**छोटका छाता**

(घ) एहि कविताकेँ पूरा करू

1. कतेक ..... हमर छाता ।
2. रौद बचाबय रोकय ..... ।

□□

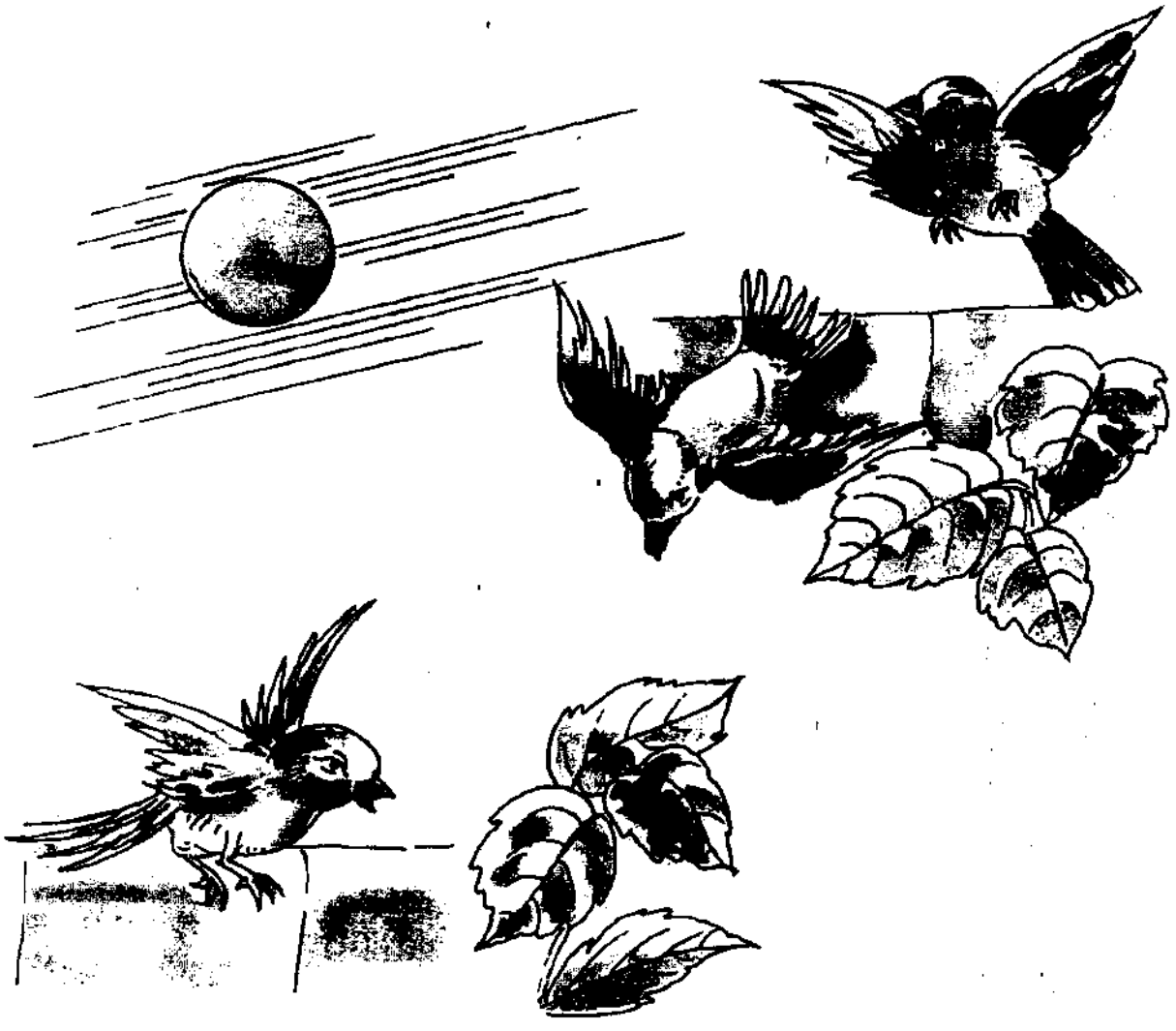

पाठ–4

चित्र परिचय

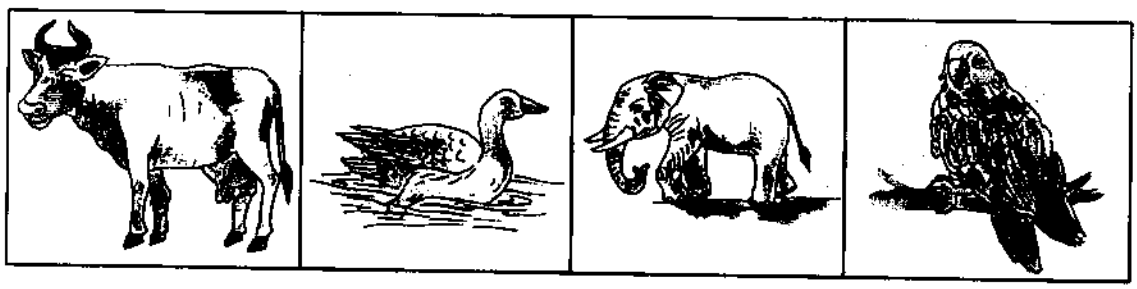

गाय बत्तक हाथी सूगा

अभ्यास

1. वाम दिसक शब्दकेँ चिन्हकय दहिन दिसक शब्दकेँ घेरू

गाय	माय	गाय	भाय
बत्तक	हंस	कौआ	बत्तक
हाथी	हाथी	बाछी	माछी
सूगा	बगड़ा	सूगा	पड़बा

2. चित्रकेँ सही शब्दक संग रेखासँ मिलाउ

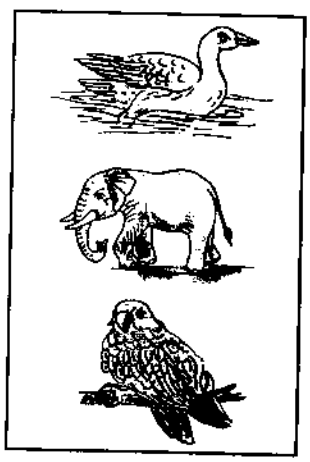

घर

बकरी

गाय

बत्तक

हाथी

सूगा

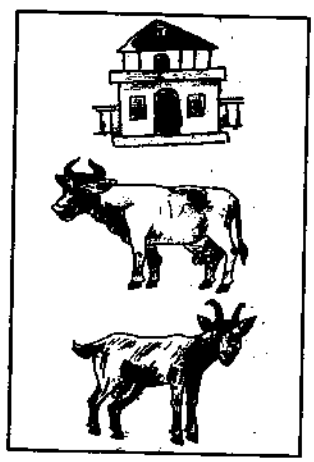

4. चित्रकेँ चिन्हू आ बाजिकय पढू

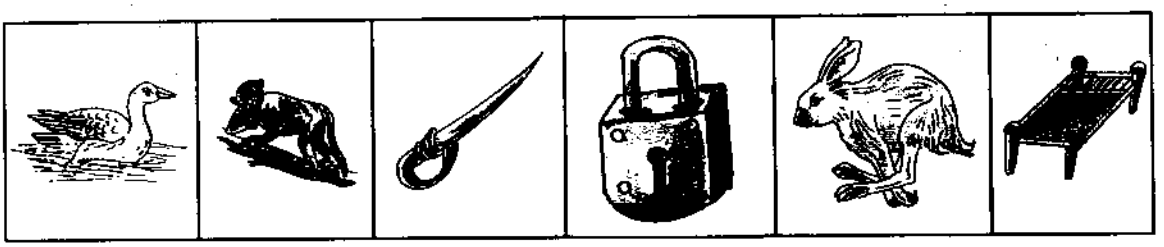

बतख बानर तरुआरि ताला खरहा खाट

5. ब– बतख, बाघ, बाबा = ब बा
   त– तरुआरि, ताला, तराजू = त ता
   ख– खरहा खराम खाट = ख खा

6. बाजि कय पढू

बाबा	काका	मामा
बाज	बाघ	काज
माला	वाया	लाबा
कमला	तबला	गमला
चारि	नारि	मारि

7. लिखू

बत्तक	कमला	चारि	काका

□□

पाठ–5

मिथिलाक चिड़ै

तितिर कबूतर लवा बटेरी।
सारस बगड़ा बाज बहेरी॥
कौआ मैना पपीहा मोर।
सारो सूगा हंस चकोर॥
गिध गरुड़ मइल दिघौंच।
बतख अदीन चातक सहरौंच।
उदूक मरैल सुजा चकोरी।
खंजनि मुरगी ओ लपटोरी॥

अभ्यास

1. एहि कवितामे मिथिलाक पक्षी सभकेँ चुनकिय बाजू
   (क) जे गामघरमे पाओल जाइछ।
   (ख) जे बाध आ वोनमे पाओल जाइछ।
   (ग) जे अपना सभक राष्ट्रीय पक्षी अछि।
   (घ) जे आब दुर्लभ भेल जाइत अछि।
2. चित्रमे बनल चिड़ैकेँ चिन्हू आ चित्रक नीचाँमे नाम लिखू

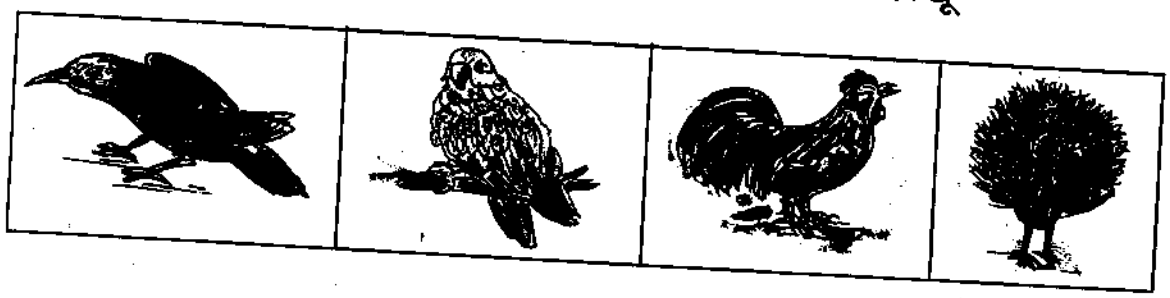

....

पाठ–6

गिनती सीखू

(क) १. ०

२. ००

३. ०००

४. ००००

५. ०००००

६. ००००००

७. ०००००००

८. ००००००००

९. ०००००००००

१०. ००००००००००

अभ्यास

1. अंक लिखू

   १. एक　२. दू　३. तीन　४. चारि　५. पाँच

   ६. छओ　७. सात　८. आठ　९. नओ　१०. दस

2. एकसँ दस अंक धरिक गिनती करू। अध्यापक अंक बाजथि आ नेना सभ ओकरा समवेतमे दोहराबथि।

3. नीचाँक कथा मे आयल संख्यावाचक शब्दकेँ अंक मे लिखू

एकटा राजा छलाह। ओ बहुत गुणी छलाह। हुनक दरबार मे नओ गोटे रहैत छलाह। ओ नवरतन कहबैत छलाह।

पहिल छलाह पुरोहित। दोसर छलाह मंत्री। तेसर छलाह सेनापति। चारिम छलाह खजांची। पाँचम छलाह राजकवि। छठम छलाह गबैया। सातम छलाह भंडारी। आठम छलाह मुंशी आ नवम छलाह विपटा।

एहि तरहेँ राजा नवो रतनक सहयोग सँ राज पाट चलबैत छलाह।

इकाई जाँच

1. के छलाह ?

पहिल छलाह ....

दोसर छलाह ....

तेसर छलाह ....

चारिम छलाह ....

पाँचम छलाह .....

छठम छलाह .....

सातम छलाह .....

आठम छलाह .....

नवम छलाह .....

2. खाली जगहकेँ भरू

(क) हुनक ..... मे नओ गोटे रहैत छलाह।

(ख) जे ..... कहबैत छलाह।

(ग) राजा नओ रतनक ..... सँ राज पाट चलबैत छलाह।

3. (क) खयबाक वस्तुक नाम लिखू

....

(ख) पहिरबा-ओढ़बाक वस्तुक नाम लिखू

....

(ग) खेलबाक वस्तुक नाम लिखू

....

(घ) पढ़बा-लिखबाक वस्तुक नाम लिखू

....

□□

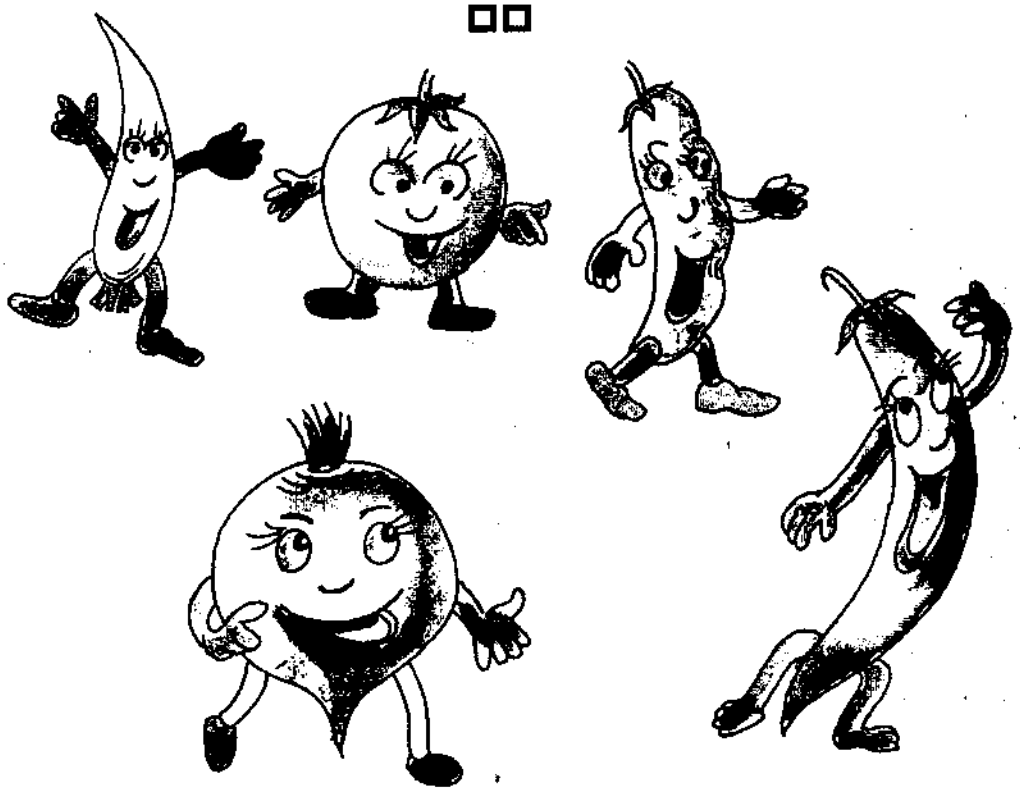

पाठ–7

विद्यालय परिसर

सम्पूर्ण पृष्ठमे विद्यालयक अध्यापन कक्षमे बनल चित्र

1. श्याम पट (व्लैक वोर्ड) क आगाँ बैसल अध्यापिका नेना सभकेँ किछु कहैत।
2. अलग-अलग मुद्रामे बैसल नेना सभ, बस्ता, पोथी आदिक संग।
3. देवाल पर टाँगल किछु चार्टमे बनल चित्र
   फल-फूलक, पशु-पक्षीक मानव शरीरक, कैलेण्डर
4. खिड़कीसँ बाहर झूला झुलैत, जल पीबैत नेना सभक चित्र।

अभ्यास

मुनिया झूला झुलैत

ककवासँ केस सीटैत बालिका

थारीमे परसल चूड़ा-दही आ एकटा आम

पजेबासँ बनल घर

1. अध्यापक उपरका चित्रक विषय वस्तुसँ नेना लोकनिकेँ परिचित कराबथि।
2. एक-एकटा चित्रक आधार पर वाक्य बनाबथि अध्यापक एक-एक वाक्य बाजथि आ नेना सभ दोहराबथि
   (क) मुनिया झूला झुलैत अछि।
   (ख) ककबासँ सीटू केस।
   (ग) चूडा-दहीमे गारू आम।
   (घ) पजेबासँ बनल मकान।
3. चित्रमे आयल वस्तु सभ कतय-कतय देखने छी ?
   झूला, ककबा, चूड़ा-दही, आम, पजेबा।
4. आम, ककबा आ पजेबाक चित्र बनाउ

गाछ-वृक्षक चित्र-

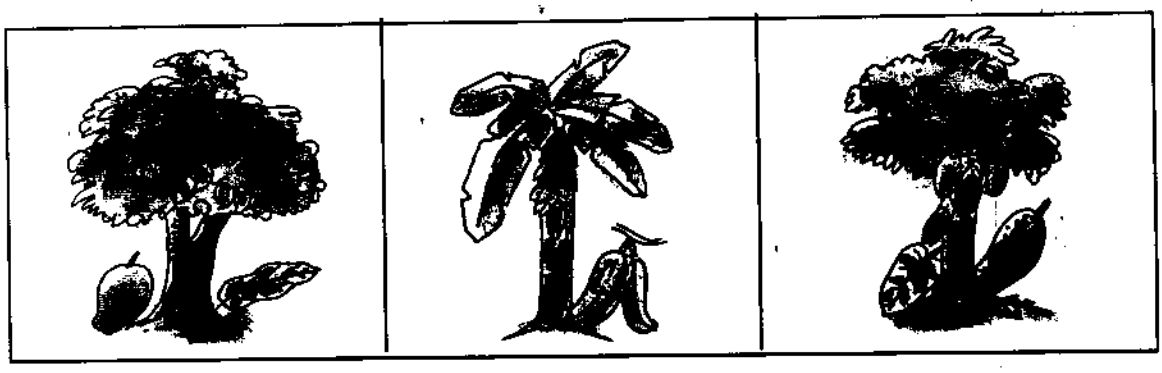

आमक गाछ (फड़ल) केराक गाछ (फड़ल) कटहरक गाछ (फड़ल)

लतामक गाछ (फड़ल) पीपरक गाछ बाँसक बीट

अभ्यास

1. अध्यापक नेनासभसँ एकाएकी गाछ दिस संकेत कय चिन्हाबथु एवं गाछक परिचय देथु।
   (क) एहि चित्रमे आमक गाछ कोन अछि ?
   (ख) कटहरक गाछ कोन अछि ?
   (ग) केराक गाछ कोन अछि ?
   (घ) बांसक बीट कोन अछि ?
2. फूलकेँ चिन्हू आ चित्रक नीचामे नाम लिखू–

....

(क) कमलक फूल पानिमे फुलाइत अछि।

(ख) कोकाक फूल ..... मे फुलाइत अछि।

(ग) गुलाबक फूल ..... मे फुलाइत अछि।

(घ) ओड़हुलक फूल ..... मे फुलाइत अछि।

(ङ) गेनाक फूल ..... मे फुलाइत अछि।

पाठ–8

घर-आँगन

1. घरक चित्र (छप्पर) बरामदा (ओसारा) ओसारा पर बैसल दादा आ दादी। आगाँमे बैसल नेना (बालक–बालिका)
2. घरक आगाँ एकटा गाछ, कल (नलकूप), घैल, बाल्टी, पानि भरैत लोक।
3. घरक आगाँ फूल–पातक गाछ तथा दुआरिधरि पहुँचबाक बाट।

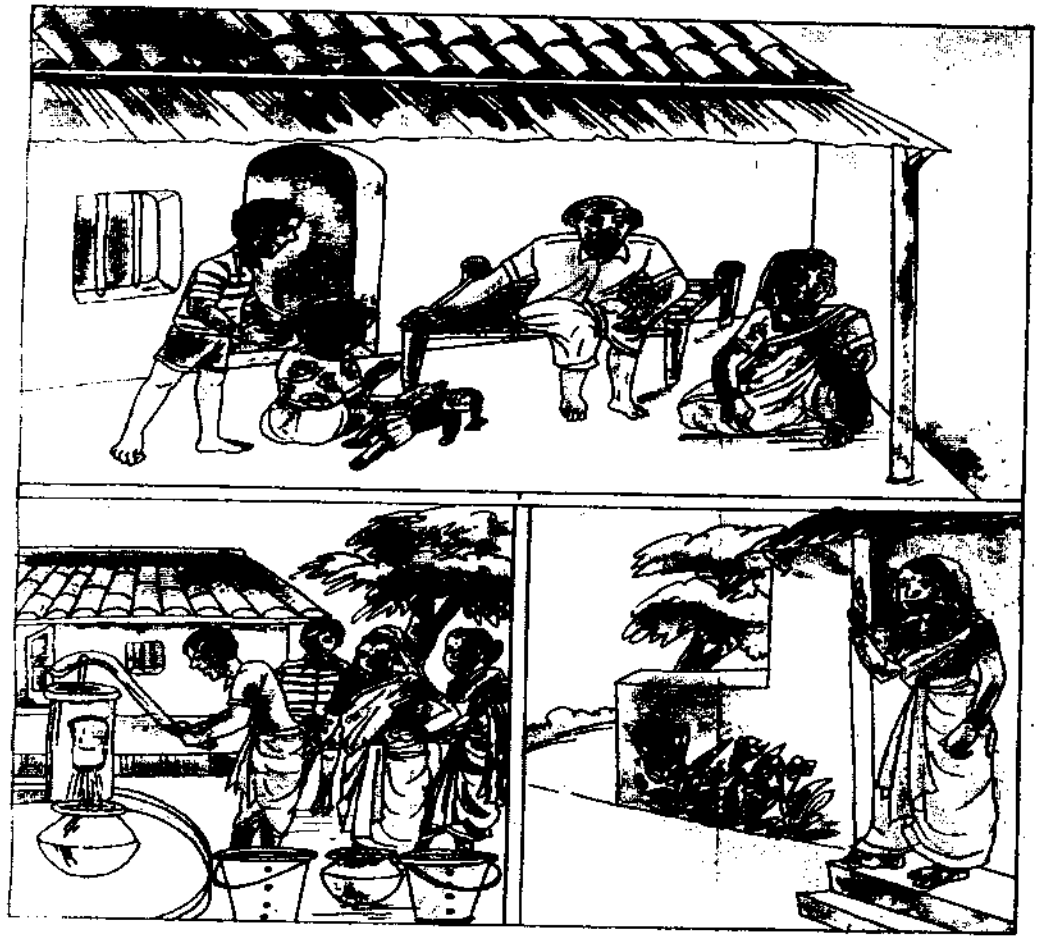

1. भानस घर, भानस करैत भनसिया आ चुल्हि।
2. चुल्हि पर राखल कोनो बासन। आगाँमे राखल लोहिया, छोलनी, करछु। चकला आ बेलना
3. देबालक ताख पर राखल गिलास, कटोरा, थारी, लोटा इत्यादि।
4. ताख पर राखल दीप आ लालटेम।
5. सीक पर राखल मटकुड़ी।

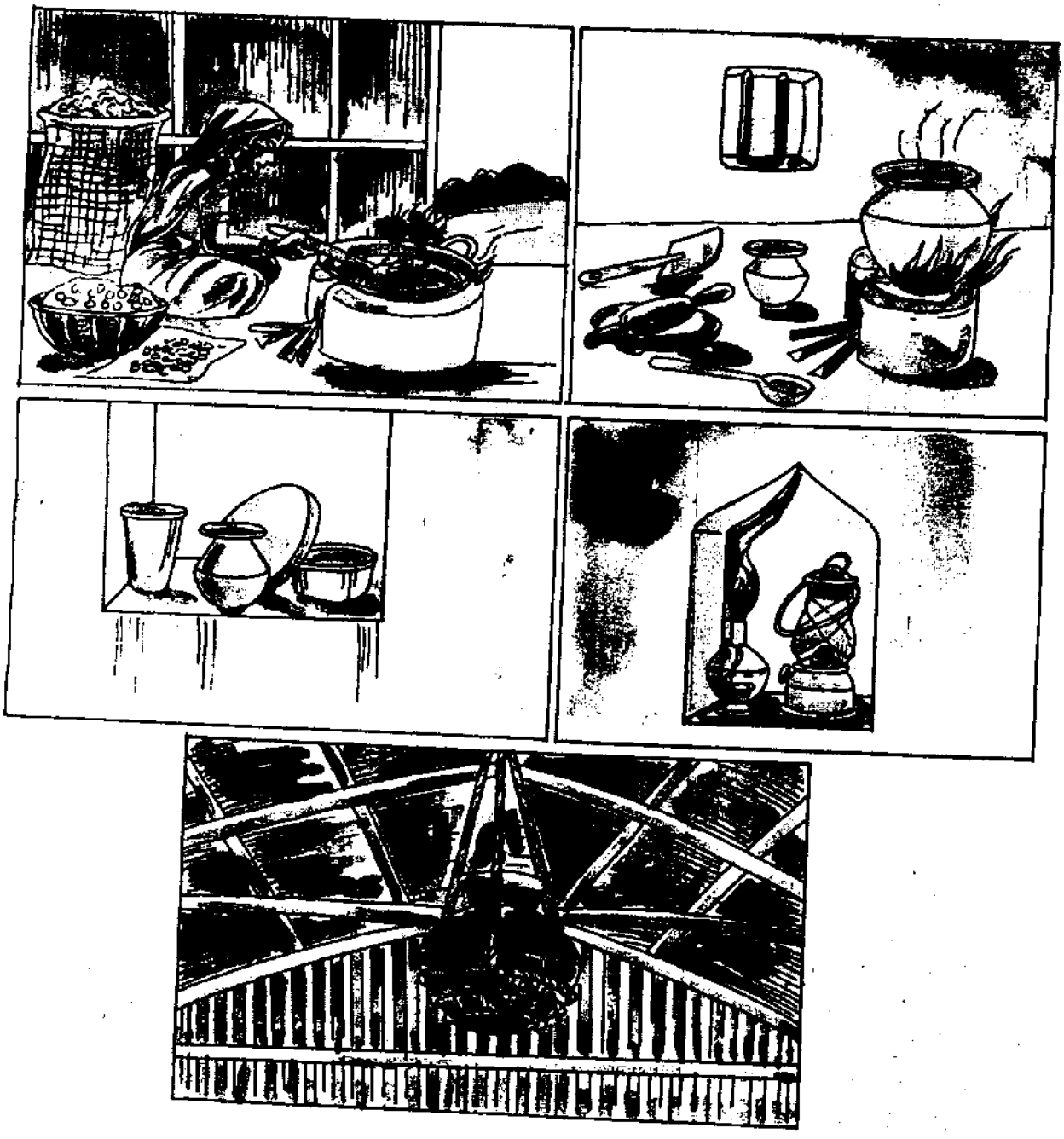

अभ्यास

1. अध्यापक नेना सभसँ चित्रक आधार पर प्रश्न पूछथि

   (क) ओसारा पर केसभ बैसल अछि ?

   (ख) कल पर के पानि भरैत अछि ?

   (ग) नेना घरमे रहैत अछि आ चिड़ै सभ ?

   (घ) घरक आगाँ कोन-कोन फूलक गाछ ?

   लगयबाक चाही ?

2. अध्यापक भनसाघरक बनल चित्रमेसँ वस्तु सभक नाम पूछथि-

   (क) चुल्हि पर कोन बासन राखल अछि ?

   (ख) भनसियाक आगाँ कीसभ राखल अछि ?

   (ग) देबालक ताख पर राखल वस्तुकेँ चिन्हू आ नाम कहू।

   (घ) सीक पर की राखल अछि ?

भनसाघरक किछु काज–

(क) हम हाँसू छी।

हम तरकारी ..... छी।

(ख) हम 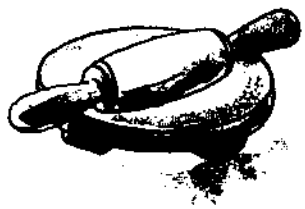 छी।

हम ..... बेलैत छी।

(ग) हम थारी 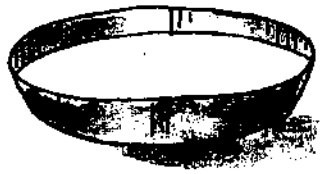 छी।

एहिमे ..... खाउ।

(घ) हम लालटेम छी।

हम ..... करैत छी

ककरासँ की काटब ?

आम

भाँटा

कपड़ा 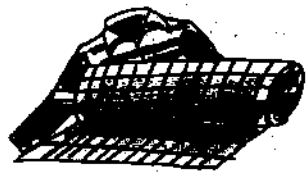

डोरि

खीरा 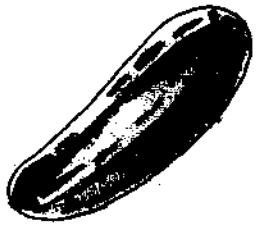

कागज 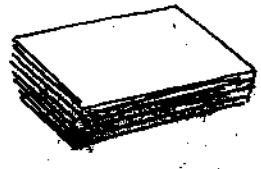

हाँसू

कैंची 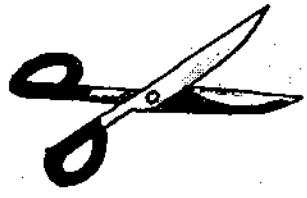

पाठ–10

लताम (चित्र कथा)

दुनू नेना लतामकेँ आधा-आधा बाँटिकय खाइत अछि।

अभ्यास

1. चित्रक आधार पर कथा कहू।
2. नीचाँ लिखल चित्रकेँ क्रमसँ राखू।

3. की कतय।

लताम	१. ..... गाछ तर
नेना	२. ..... लताम पर
सुग्गा	३. ..... गाछ पर
लुक्खी	४. ..... पाकल

□□

पाठ–10

मनुक्खक अंग

अध्यापक नेना सभकेँ चित्रक आधार पर मनुक्खक अंग सभक परिचय कराबथि। एकटा नेनाकेँ आगाँ ठाढ़ कय ओकर अंगकेँ परिचय दोसर नेना सभसँ पूछथि।

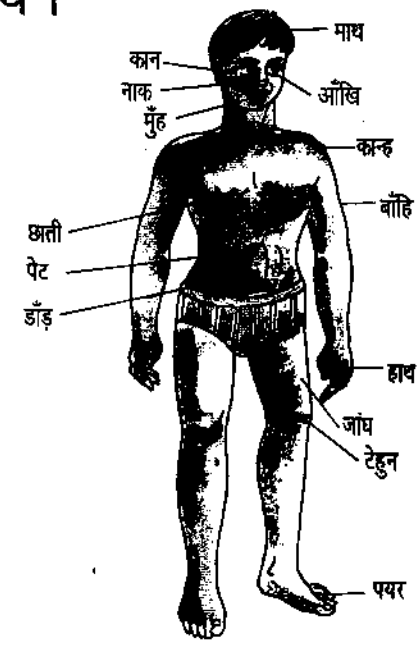

अभ्यास

1. (क) मनुक्खकेँ एकटा माथ होइत अछि।
   (ख) मनुक्खकेँ एकटा मुँह आ एकटा नाक होइत अछि।
   (ग) मनुक्खकेँ दू टा आँखि, दू टा कान होइत अछि।
   (घ) मनुक्खकेँ एकटा मुँह आ एकटा नाक होइत अछि।
2. खाली जगहकेँ भरू
   (क) मनुक्खकेँ दू टा ..... होइत अछि।
   (ख) मनुक्खकेँ एकटा ..... होइत अछि।

पाठ–11

पंचतंत्रक कथा

एक दिन एकटा खिखिर अपन शिकारक पाछाँ बहरायल। ओ खिखिर एकटा मुरगीघर लग पहुँचल। टाटक दोगसँ देखलक जे ओहिमे एकटा मुरगी उदास भेल बैसल अछि। खिखिर सोचलक–बिनु चलाकिए ई हाथ नहि लागत।

जँ आइ ई मुरगी नहि भेटत तँ उपासे रहय पड़त। बड़ी काल धरि खिखिर सोचैत रहल। कोना एहि मुरगीकेँ अपन भोजन बनाबी।

खिखिर हड़बड़ा कय बाजल–मित्र मुरगी! बहुत दिनसँ तोरासँ भेंट नहि भेल छल। तोहर हालचाल पुछबाक हेतु बड़ी दूरसँ आयल छी।

तोँ दुबरायल सेहो छह। कनेक बाहर अबितह तँ तोहर नाड़ी देखि दितियह। हमरा बुझबामे अबैत अछि जे तोँ बहुत दिनसँ घरसँ बहरायल नहि छह?

मुरगी कहलक–"भाइ खिखिर, एहिसँ बेसी साँचगप तोँ कहियो नहि कहने छलह।

मुदा हम बहरा कय तोरालग नहि आबि सकैत छी।

जौँ हम बहार भय तोरा लग आयब, तँ तोँ हमरा मारि कय खा जयबह।

शिक्षा–अविश्वासी मित्रसँ सावधान रहू।

अभ्यास

1. (क) खिखिर कोन काजसँ घरसँ बहरायल ?

(ख) खिखिर शिकारक खोजमे कतय पहुँचल ?

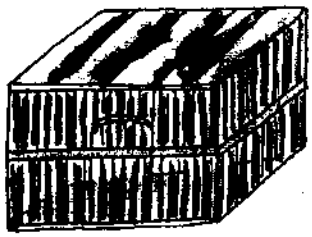

(ग) मुरगी आ खिखिरक बीच कोन गप भेल ?

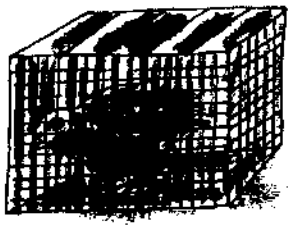

(घ) खिखिर कोन सच गप कहलक ?

(घ) मुरगी खिखिरक लग किएक नहि गेल ?

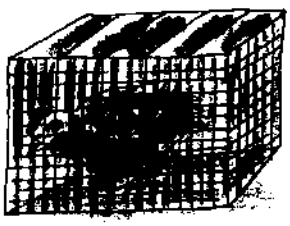

□□

पाठ–12

चित्र–परिचय

हाथी　　कुकुर　　गाय

सिंह　　बिलाइ　　मूस

हाथी	गाय	कुकुर	बिलाइ	सिंह
	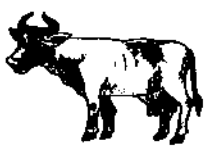			
.....	.....	.....	.....	.....

अभ्यास

1. चित्रक आधार पर अध्यापक पशुकेँ चिन्हाबथि।

(क) चित्रक नीचाँमे पशुक नाम लिखथि।

(ख) सभसँ पैघ पशुकेँ चिन्हू आ नाम लिखू।

(ग) सभसँ छोट पशुकेँ ताकू आ नाम लिखू।

(घ) सभसँ डेराओन (हिंसक) पशुकेँ चिन्हू आ नाम लिखू।

(ङ) पालतू पशुकेँ चिन्हू आ नाम लिखू।

□□

पाठ–13

दशमी मेला

गोलू– दशमीमे कतय कतय गेलें ?

टीकू– मेला गेलहुँ।

गोलू– की सभ देखलें ?

टीकू– दुर्गाजी देखलहुँ। झूला पर झुललहुँ।

गोलू– मेलामे की सभ कीनलें ?

टीकू– **मधुर, सिलेट आ पेन्सिल**।

गोलू– बस।

टीकू– नहि–नहि। एकटा आर चीज कीनलहुँ।

गोलू– की जल्दी कह ने।

टीकू– **बल्ला आओर गेन**।

गोलू– तखन तँ खूब मन लागत खेलाइ मे।

टीकू– हँ से तँ ठीके। मुदा एखन नहि।

गोलू– तँ कखन ?

टीकू– स्कूलसँ पढ़ि कय आयब तखन।

गोलू– ठीक छै।

टीकू– ई कह जे तोँ पहिने बल्ला पकड़बें की हम ?

गोलू– से खेलय कालमे विचार करब ठीक।

टीकू– ठीक छै। आब जल्दी-जल्दी स्कूल चल।

× × ×

गोलू– बड़ बढ़ियाँ बल्ला छौ।

टीकू– गेन ने देख कतेक लाल छै।

गोलू– ला पहिने हम बल्लासँ खेलाई। तोँ गेंद जा कय फेक।

टीकू– ठीक छौ। तोँ तैयार रह। जँ छुटलौ तँ 'आउट' तोहर खेल खतम।

गोलू– ठीक छै। कम जोरसँ गेन फेकिहें।

टीकू– तैयार छें। ले पहिल गेन।

गोलू– हे, छक्का। छओ रन।

टीकू– तोँ खूब जोरसँ मारै छें। ओतेक दूर उँच गेन चल गेलै।

गोलू– हे ले दोसर गेन। चौका चारि रन। कमजोरसँ मार ने कोना गुड़कैत-गुड़कैत गेन दूर चल गेलौ।

टीकू– हे ले तेसर गेन–खटाक। एहि बेर तोरा एके रन लेबय देलियौ। हम रोकि लेलियौ।

गोलू– हे ले चारिम–'आउट'। हाथमे लोकि लेलियौ।

टीकू– ले आब बल्ला। तोँ खेलेँ।

गोलू– धीरेसँ गेन फेकिहें।

टीकू– ठीक छौ। देखि कय मार। ले गेन पहिल 'आउट'। छुटि गेलौ।

तोहर खेल आब खतम भेलौ।

अभ्यास

(क) क्रिकेट एक बेस लोकप्रिय खेल अछि। गाम हो वा नगर, सभ ठाम खेलायल जाइत अछि। अपना सभक गाम घरमे पहिने ई खेल गुल्ली-डंटाक रूपमे खेलाअल जाइत छल। आधुनिक क्रिकेट गुल्ली-डण्टाक बदलल रूप थिक। क्रिकेट खेलबाक अपन नियम होइत अछि। एहिमे दू दल होइत छैक। रन ओ बिकेट सँ एकर गिनती होइत अछि। अधिक अंक पओनिहार दल विजयी होइत अछि।

(ख) बल्ला, गेन, बैटक।

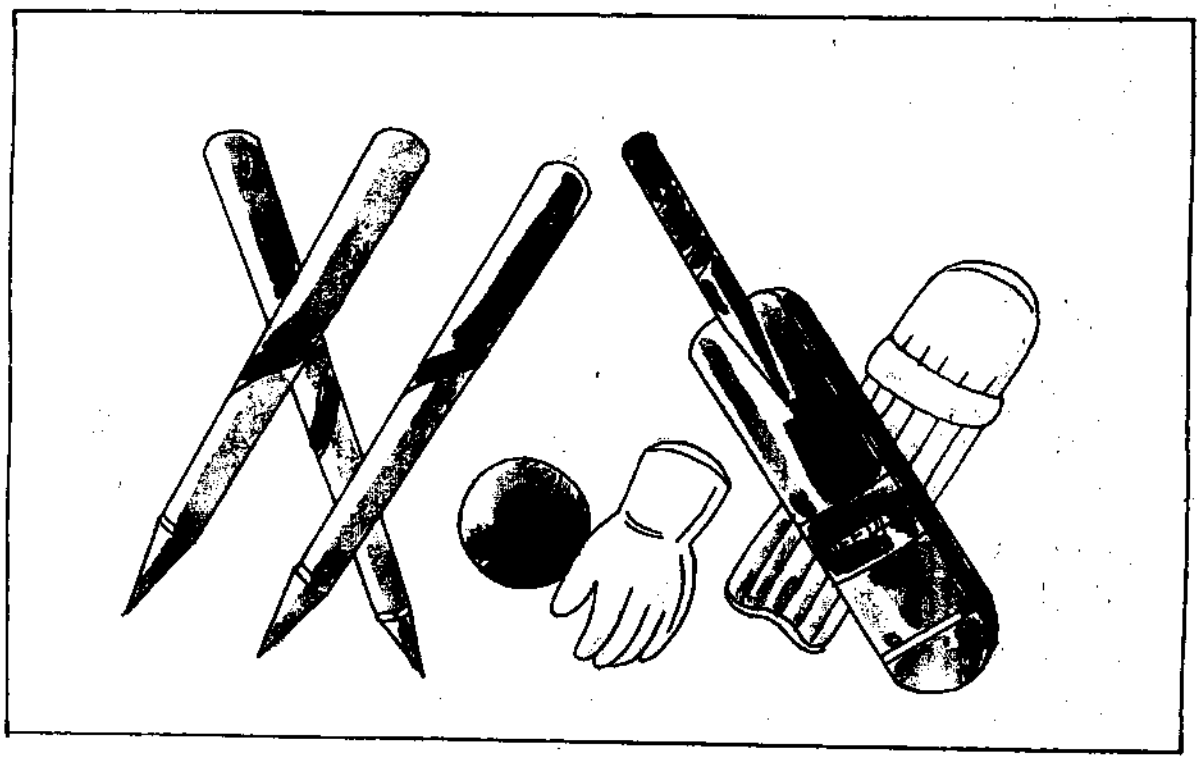

पाठ–14

लकड़िहारा

कमल गरीब नेना छल। ओ सभ दिन जंगलसँ जारनि काटि अनैत छल। ओकरा बेचि, भोजनक ओरिआओन करैत छल। एक दिन कमल जंगलमे जारनि काटि रहल छल। ओकर हाथसँ कुड़हरि छूटि कय पोखरिमे खसि पड़लै। ओ पानीमे डुबकी लगा खूब हथोड़िया देलक। मुदा ओकरा कुड़हरि नहि भेटलै।

कमल पोखरिक महार पर उदास बैसल छल। तखने एकटा बालक आयल। ओ वन देवता छल। ओ कमलसँ उदासीक कारण पुछलनि।

वनदेवता पानिमे डुबकी मारि पहिने सोनाक कुड़हरि बहार कयलनि। ई देखि कमल ओ कुड़हरि नहि लेलक। पुनः वन देवता डुबकी लगा चानीक कुड़हरि बहार कयलनि। कमल ओहो नहि लेलक।

कमल बाजल–हमर कुड़हरि लोहाक छल। हम बहुत गरीब छी। हमरा लग सोना–चानीक कुड़हरि कतय सँ आओत। ताहि पर वनदेवता फेर डुबकी मारि एकटा लोहाक कुड़हरि बहार कयलनि।

ई देखि कमल खुशीसँ नाचि उठल। अपन कुड़हरि लय लेलक।

कमलक इमानदारी पर प्रसन्न भय कय वनदेवता ओकरा ओहो दुनू कुड़हरि दय देलथिन। ओकर गरीबी दूर भय गेलै। ओ सभ हँसी-खुशी रहय लागल।

अभ्यास

बाजि कय पढ़ू आ लिखू

कमल गरीब नेना छल।

.....

कमल

.....

ओकर हाथसँ कुड़हरि खसि पड़लै।

.....

ओकर

हम बहुत गरीब छी

.....

.....

अपन कुड़हरि लय लेलक।

.....

.....

ओकर गरीबी दूर भय गेलै।

.....

.....

अभ्यास

1. बीचमे लिखल अक्षरकेँ समान अक्षरसँ मिलाउ

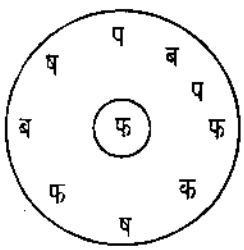

पाठ–15

फूलक झगड़ा

हमर नामसँ **कौआ** पोसब
जौं हम बाजी फूसि ।
सत्ते, राति **गुलाब** बजै छल
मधुरी लड़लक दूसि ।।
हम दुरगाजीकेँ बड़ प्रिय छी
नितरायल गुलाब ।
नहि, हमरासँ बेसी प्रिय नहि
मधुरी भय गेल लाल ।।
लाले तों आ लाले हम छी
तखन किएक अड़ारि
मुसुकि गुलाब फुला गेल भोरे
मानि लेलक ओ हारि ।।
लाजें मधुरी खसलि भूमि पर
हमर एहन ने बानि ।

जौं नहि बजितहुँ मुह लागल तँ
की भ' जइतै हानि ।।
सजा लेलनि तखने दाइ जा कय
फुलडालीमे फूल ।
पूजा कयलनि आँजुरमे लय
रहू मातु अनुकूल ।।

अभ्यास

1. निचाँ देल गेल शब्दसँ कविताकेँ पूरा करू
(माधुरी, कौआ, हारि, गुलाब, बड़)
(क) हमर नामसँ ..... पोसब ।
(ख) सत्ते राति ..... बजै छल ।
(ग) ..... लड़लक दूसि ।
(घ) हम दुरगाजीकेँ ..... प्रिय छी ।
(ङ) मानि लेलक ओ ..... ।
2. निचाँक शब्द सभसँ वाक्य बनाउ
(क) कौआ– कौआ ..... होइत अछि ।
(ख) गुलाब– गुलाब ..... होइत अछि ।
(ग) मधुरी– मधुरी फूल ..... होइत अछि ।
(घ) फुलडालीमे ..... फूल राखू ।

□□